ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दिनांक : 12/06/2025

द्वितीय सत्र- सत्रीय कार्य की सूचना

एम.ए. इतिहास (सत्र- 2023-24) दूर शिक्षा

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। पाठ्यसामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें एवं अपने शब्दों में लिख सकें, इसका तात्पर्य यह है कि निदेशालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रूप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार करके अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विद्वानों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

1. एम.ए., इतिहास (दूर शिक्षा) (सत्र- 2023-24) **तृतीय सेमेस्टर** के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि सत्रीय कार्य के प्रश्नपत्र के अनुसार **स्वहस्ताक्षर** में प्रश्नों के उत्तर A-4, साईज के पृष्ठ पर लिखकर आपको आवंटित किए गए अध्ययन केंद्र (Study Centre) पर हार्ड कॉपी में दिनांक **12 जुलाई, 2025** तक जमा करना सुनिश्चित करें।
2. प्रत्येक विषय के सत्रीय कार्य के प्रथम (पहले) पृष्ठ पर निम्नांकित जानकारी आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें।

    1. छात्र का नाम : .....
    2. नामांकन संख्या : .....
    3. अध्ययन केंद्र का नाम : .....
    4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या : .....
    5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : .....
    6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....
    7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....

पाठ्यक्रम संयोजक
डॉ. परिमल प्रियदर्शी
अनुसंधान अधिकारी

प्रथम पृष्ठ का प्रारूप

(प्रत्येक विषयों के सत्रीय कार्य के प्रथम पृष्ठ पर अनिवार्य)

1. छात्र का नाम : .....
2. नामांकन संख्या : .....
3. अध्ययन केंद्र का नाम : .....
4. विषय/प्रश्नपत्र का नाम एवं कोड संख्या : .....
5. सत्रीय कार्य अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने का दिनांक : .....
6. छात्र के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....
7. अध्ययन केंद्र में प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर दिनांक के साथ : .....

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS – 11 आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 से 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक हैं।**

प्रश्न संख्या (1) इतिहासकार के रूप में डॉ. रमेशचन्द्र मजूमदार के योगदान को बताइए।

प्रश्न संख्या (2) इतिहास लेखन पद्धति में सर यदुनाथ सरकार की विषय वस्तु की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) ''आधुनिक वैज्ञानिक इतिहास लेखन के जनक 'रेंके' ही था''। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

प्रश्न संख्या (4) इतिहास लेखन की भारतीय सवाल्टर्न परंपरा में इतिहासकार रंजीत गुहा ने किस प्रकार योगदान किया ?

प्रश्न संख्या (5) काशी प्रसाद जायसवाल के इतिहास लेखन की चर्चा कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -12 भारत में अंग्रेजों का आगमन

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 से 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक हैं।**

प्रश्न संख्या (1) 1857 की क्रांति के कारण एवं परिणाम बताइए।

प्रश्न संख्या (2) जमींदारी व्यवस्था की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए इसके गुण-दोषों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (3) अठारहवीं सदी में पंजाब में सिक्खों के उदय पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (4) भारत में समाचार पत्रों के उदय एवं विकास का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न संख्या (5) 19वीं और 20वीं में आधुनिक शिक्षा और शिक्षा-नीतियों की समीक्षा कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -13 भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 से 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक हैं।**

प्रश्न संख्या (1) बीसवीं सदी के आरंभ में जुझारू राष्ट्रवाद या गरम पंथ के विकास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (2) स्वामी विवेकानंद के विचारों एवं कार्यों का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न संख्या (3) उन्नीसवीं सदी के सामाजिक और सांस्कृतिक जागरण में राजा राममोहन राय के योगदान की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) असहयोग आंदोलन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (5) माउंटबेटन प्लान और भारत विभाजन की चर्चा कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -14 स्वातंत्रोत्तर भारत

सत्रीय कार्य

- **निम्नलिखित में से किन्हीं 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 800 से 1000 शब्दों में लिखिए।**
- **प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम 10 अंक हैं।**

प्रश्न संख्या (1) भाषा आंदोलन क्या था ? किस प्रकार इसने भारतीय राज्यों का पुनर्गठन किया ?

प्रश्न संख्या (2) विनोबा भावे के भूदान आंदोलन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या (3) तेलंगाना एवं तेभागा आंदोलन की चर्चा कीजिए।

प्रश्न संख्या (4) वैश्वीकरण का भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा ?

प्रश्न संख्या (5) 'आपातकाल देश पर एक कलंक था'। चर्चा कीजिए।

पाठ्यक्रम संयोजक

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

पाठ्यक्रम: MA History (दूरस्थ शिक्षा)

सत्र- एम. ए., इतिहास (तृतीय सेमेस्टर)

प्रश्न पत्र/ विषय : MAHS -15 परियोजना कार्य

सत्रीय कार्य

अब तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में विद्यार्थियों द्वारा पढ़े गए विभिन्न प्रश्न पत्रों में से किसी एक पर परियोजना कार्य के रूप में लगभग 40 पृष्ठों में हस्तलिखित विनिबंध तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा से आपको आवंटित किए गए अध्ययन केंद्र (Study Centre) पर प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

विनिबंध संबंधी सलाह के लिए पाठ्यक्रम संयोजक से संपर्क किया जा सकता है।

पाठ्यक्रम संयोजक